

मेरे मोहन प्राण प्यारे अब मुरली सुना मुरली सुना ।

भक्तों के प्राण प्यारे अब मुरली सुना मुरली सुना ॥

तेरी मधुर मूर्ति मन भाई तुम सब जग के सुखदाई

नन्द यशोदा के नैननि तारे ॥१॥

हिन्दू धर्म की लाज बचाओ गीता ज्ञान का मार्ग दिखाओ

भारत भूमी के उज्यारे ॥२॥

तैनें श्री गिरिराज उठाया बृज जीवों का प्राण बचाया

काली नाथ के नाथन वारे ॥३॥

कर जोड़ें के शीश नवाऊं तेरे मधुर मधुर गुण गाऊं

प्रेम अमृत वर्षन हारे ॥४॥